एवं धार्मिक वातावरण में पला होगा उसका नैतिक विकास अधिक होगा। धर्म का प्रभाव बालक के व्यक्तित्व पर पड़ता है। जैसी व धार्मिक शिक्षा होगी वैसा व्यक्तित्व होगा।

6.) मनोरंजन :— आजकल छोटे-बड़े सभी आयु के बालक सिनेमा देखना पसंद करते हैं। सिनेमा देखना किशोर एवं किशोरियों में सबसे ज्यादा किशोर देखते हैं। दुराचार, अपराध नारी सौंदर्य, प्रेम आदि की चरम सीमायें फिल्मों में प्रदर्शित की जाती है। इनके द्वारा बालक का नैतिक विकास होता है।

Scanned with CamScanner

7) साथी समूह : बाल्यावस्था में साथी समूह केवल मित्र के रूप में होते हैं। साथी समूह विभिन्न प्रकार के होते हैं जैसे - स्कूल, रिश्तेदार, आस - पड़ोस, मोहल्ले। साथी समूह बाल्यावस्था में पाए जाते हैं इसके द्वारा बालक चारित्रिक विकास करते हैं।

* जन माध्यम : आधुनिक समाज में बालक सिनेमा, टेलीविजन, मैगजीन, कॉमिक्स आदि बाल्यावस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। बालक जिस प्रकार का साहित्य पढ़ता है। उसका चरित्र उसी प्रकार का होता है। फिल्में भी Mass Media का एक महत्वपूर्ण साधन है।

फिल्में भी Mass Media का एक महत्वपूर्ण साधन है।

Scanned with CamScanner

3) परिवार ! – बालक का नैतिक विकास एवं चारित्रिक विकास सबसे पहले परिवार के सदस्य एवं वातावरण से प्रभावित होता है। नैतिक मूल्य सर्वप्रथम परिवार से ही बालक सीखता है तथा उनका आचरण करता है। तथा परिवार का कर्तव्य है कि बालक का लालन-पालन उचित प्रकार से किया जाए।

4) विद्यालय ! – परिवार के बाद विद्यालय बालक के नैतिक एवं चारित्रिक विकास पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालता है। विद्यालय के शिक्षक, सहपाठी, वातावरण आदि बालक के नैतिक विकास के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण है।

5.) धर्म ! – बालक जितना अधिक स्वस्थ्य एवं धार्मिक वातावरण में पला होगा उसका नैतिक विकास अधिक होगा। धर्म का प्रभाव बालक के व्यक्तित्व पर पड़ता है। जैसी व धार्मिक शिक्षा होगी वैसा व्यक्तित्व होगा।

6.) मनोरंजन ! — आजकल छोटे-बड़े सभी आयु के बालक सिनेमा देखना पसंद करते हैं। सिनेमा देखना किशोर एवं किशोरियों में सबसे ज्यादा किशोर देखते हैं। दुराचार, अपराध, नारी सौंदर्य, प्रेम आदि की चरम सीमायें फिल्मों में प्रदर्शित की जाती है। इनके द्वारा बालक का नैतिक विकास होता है।

Scanned with CamScanner

7) साथी समूह ! बाल्यावस्था में साथी समूह केवल मित्र के रूप में होते हैं। साथी समूह विभिन्न प्रकार के होते हैं जैसे – स्कूल, रिश्तेदार, आस-पड़ोस, मोहल्ले। साथी समूह बाल्यावस्था में पाए जाते हैं इसके द्वारा बालक चारित्रिक विकास करते हैं।

* जन माध्यम ! – आधुनिक समाज बालक सिनेमा, टेलीविजन, ... आदि बाल्यावस्था में महत्वपूर्ण ... निभाते हैं। बालक जिस प्रकार का साहित्य पढ़ता है। उसका ... उसी प्रकार का होता है। फिल्में भी Mass Media का एक महत्वपूर्ण साधन है।

37/38

Scanned with CamScanner

जेम्स ड्रेवर के अनुसार "मनोवैज्ञानिक रूप से चरित्र, आदतों, स्थायी भावों, आदर्शों का समन्वय है। जिसकी सहायता से व्यक्ति की क्रियाएँ स्थायी और भविष्य कथन योग्य बनता है।"

* नैतिक विकास को प्रभावित करने वाले कारक :–

1) बुद्धि :→ बालकों के नैतिक विकास में बुद्धि महत्वपूर्ण कारक है। बुद्धि के आधार पर नैतिक मूल्यों का सामान्यीकरण होता है। जिन बच्चों में बुद्धि अधिक होती है उनमें नैतिकता अधिक पायी जाती है। तथा जिनमें मंद्धबुद्धि पायी जाती है उनमें नैतिकता कम पायी जाती है।

2) आयु :→ नैतिक विकास एक लंबी एवं मंद प्रक्रिया है आयु के बढ़ने के साथ नैतिक मूल्य भी व्यवहार में आते-जाते हैं। आयु के बढ़ने के साथ-साथ बालक भले-बुरे का ज्ञान उचित-अनुचित व्यवहार का ज्ञान आयु के बढ़ने के साथ-साथ, सत्य-असत्य का ज्ञान होने लगता है। जैसे - छोटे बच्चे झूठ बोलना बुरा समझते हैं। लेकिन बड़ा बच्चा झूठ बोलना बुरा नहीं मानते हैं।

Scanned with CamScanner

3) परिवार :– बालक का नैतिक विकास एवं चारित्रिक विकास सबसे पहले परिवार के सदस्य एवं वातावरण से प्रभावित होता है। नैतिक मूल्य सर्वप्रथम परिवार से ही बालक सीखता है तथा उनका आचरण करता है। तथा परिवार का कर्तव्य है कि बालक का लालन-पालन उचित प्रकार से किया जाए।

36/38

4) विद्यालय :– परिवार के बाद विद्यालय बालक के नैतिक एवं चारित्रिक विकास पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालता है। विद्यालय के शिक्षक, सहपाठी, वातावरण आदि बालक के नैतिक विकास के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण है।

Scanned with CamScanner

* बाल्यावस्था में नैतिक विकास या मूल्य शिक्षा

परिचय ! — बालक जब जन्म लेता है तो वह एक असामाजिक प्राणी होता है। बालक का जैसा वातावरण होगा बालक का व्यवहार वैसा ही होगा बच्चा धीरे-धीरे विभिन्न अवस्थाओं में सबसे गुजरता है। तथा इन अवस्थाओं में सबसे महत्वपूर्ण विकास नैतिक विकास होता है।

* नैतिक विकास का अर्थ ! —

नैतिक विकास बच्चे के चरित्र का निर्माण होता है तथा चरित्र का विकास होने पर नैतिक विकास होता है।

* परिभाषाएँ ! →

कारमाइकेल के अनुसार (1954) — " चरित्र एक मूल्यात्मक प्रक्रिया है यह व्यक्ति की अभिवृत्तियों और बाह्य व्यवहारों का पूर्ण-योग होता है। "

Scanned with CamScanner

जेम्स ड्रेवर के अनुसार " मनोवैज्ञानिक से चरित्र, आदतों, स्थायी भावों, आदर्शों का समन्वय है। जिसकी सहायता से व्यक्ति की क्रियाएँ स्थायी और भविष्य कथन योग्य बनता

35/38

* नैतिक विकास को प्रभावित करने वाले कारक ! —

1) बुद्धि ! → बालकों के नैतिक विकास में बुद्धि महत्वपूर्ण कारक है। बुद्धि के आधार पर नैतिक मूल्यों का सामान्यीकरण होता है। जिन बच्चों में बुद्धि अधिक होती है उनमें नैतिकता अधिक पायी जाती

Scanned with CamScanner

5) आर्थिक प्रभाव !→ समुदाय आर्थिक प्रभाव से अगर संपन्न होगा तो बाल - विकास अच्छा होगा। जैसे - समुदाय कृषि के क्षेत्र में, व्यापार के क्षेत्र में, उद्योग के क्षेत्र में, नौकरी के क्षेत्र में।

6) नैतिक प्रभाव :→ समुदाय का जैसा नैतिक विकास होगा बालु - विकासु वैसा ही होगा। जैसा समुदाय होगा जैसे एकता की भावना अन्तर्राष्ट्रीय भावना, राष्ट्रीय भावना, सामुदायिक भावना, भौगोलिक क्षेत्र, अच्छा होना चाहिए आदि।

7.) सांस्कृतिक प्रभाव ।— समुदाय की संस्कृति जैसी होगी बाल - विकास वैसा ही होगा। यह प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष रूप से प्रभाव डालता है। प्रत्येक संस्कृति धर्म, विश्वास, कला, ज्ञान पर निर्भर करते हैं।

8.) नकारात्मक प्रभाव :— कुछ समुदाय का विशिष्ट नाम, निश्चित भौगोलिक क्षेत्र निश्चित नियम, रीति - रिवाज, विचार आदि के बीच समुदाय के बालक दूसरे समुदाय के बालक अलग समझने पर नकारात्मक प्रभाव बच्चे पर पड़ता है।

Scanned with CamScanner

34/38

बाल्यावस्था में नैतिक विकास या मूल्य शिक्षा

परिचय ! — बालक जब जन्म लेता है तो वह एक असामाजिक प्राणी होता है। बालक का जैसा वातावरण होगा बालक का व्यवहार वैसा ही होगा बच्चा धीरे - धीरे विभिन्न अवस्थाओं में सबसे गुजरता

Scanned with CamScanner

आचार - विचार, दान - करना, निर्धन की सहायता करना।

3) राजनैतिक प्रभाव ! — बाल्यावस्था में समुदाय पर राजनैतिक प्रभाव अत्यधिक पड़ता है। जैसी राजनीति होगी वैसा समुदाय होगा। समुदाय राजनीति के कारण निम्न कारण प्रदर्शित करता है। जैसे - हड़ताल करना, प्रदर्शन करना, बैठ करना, घेराव करना, धरना देना, सरकार तथा प्रशासन इन सभी मुद्दों पर ध्यान ना दे तो बाल्यावस्था प्रभावित होगी।

4) समुदाय ! — 1) बालक की शिक्षा के लिए उचित समुदाय होना महत्वपूर्ण है।
2) वृद्धि और विकास के लिए समुदाय बहुत आवश्यक है।
3) समुदाय परिवार से फिर आस - पड़ोस से विद्यालय से [illegible] गली - मोहल्ले से तथा मित्रों से, सगे - संबंधी से, समुदाय बनता है।

* समुदाय ! — दो या दो से अधिक व्यक्तियों के समूह को समुदाय कहते हैं।

Scanned with CamScanner

5) आर्थिक प्रभाव !→ समुदाय आर्थिक प्रभाव से अगर संपन्न होगा तो बाल-विक[illegible] अच्छा होगा। जैसे - समुदाय [illegible] में व्यापार के क्षेत्र में, उद्य[illegible] क्षेत्र में, नौकरी के क्षेत्र में।

33/38

6) नैतिक प्रभाव :→ समुदाय का जैसा नैतिक विकास होगा बाल - विकास वैसा ही होगा। जैसा समुदाय होगा जैसे एकता की भावना, अन्तर्राष्ट्रीय भावना, राष्ट्रीय भावना, सामुदायिक भावना, भौगोलिक क्षेत्र, अच्छा होना चाहिए आदि।

7.) सांस्कृतिक प्रभाव ! — समुदाय की [illegible]

Scanned with CamScanner